दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 24 अगस्त 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 326

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

कुख्यात गैंगस्टर नायर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र मेंपालघर जिले के मीरा-भायंदर इलाके से कुख्यात गैंगस्टर गिरीश कुमारन नायर को पुलिस ने दो महीने बाद गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नायर ने अपने गिरोह का नेतृत्व करते हुए नायगांव स्थित एक डेवलपर जितेंद्र यादव पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि उसे मुंबई उपनगर के गोरेगांव इलाके में एक गेस्ट हाउस से गिरफ्तार किया गया है। नायर को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है और उस पर महाराष्ट्र में आतंक फैलाने के लिए कठोर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के प्रावधानों के तहत भी आरोप लगाया गया है। पुलिस के अनुसार नायर ने संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए देवोलपर यादव से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी और नायर और उसके साथियों ने तलवारों और छड़ों से लैस होकर यादव पर उसके नायगांव में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित कार्यालय बिंदशक्ति रियल एस्टेट एवं इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड में 20 जून को हमला किया था। यादव और उनके कर्मचारियों पर हमला करने के अलावा हमलावरों कार्यालय के बाहर खड़ी दो कारों को क्षतिग्रस्त कर दिया था।

झारखंड में एक बार फिर ईडी ने दी दस्तक, शराब घोटाला मामले में 30 ठिकानों पर मारा छापा

रांची (आरएनएस)। झारखंड में शराब घोटाले में छापेमारी का सिलसिला जारी है। बुधवार को ईडी ने यहां 30 ठिकानों पर छापेमारी की है। रांची के हरमू के साथ-साथ दुमका और देवघर में भी एक साथ रेड मारी गई है। ये कार्रवाई शराब घोटाले को लेकर की गई है। रांची में मंत्री रामेश्वर उरांव, तिवारी ब्रदर्स सहित कई लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। मंत्री रामेश्वर उरांव के रांची स्थित आवास पर भी छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि रांची में कुल सात जगहों पर ईडी रेड कर रही है। जामताड़ा में भी छापेमारी चल रही है। वहीं देवघर में कुल आठ जगहों पर रेड मारी गई है। दुमका शहर में अलग-अलग पांच जगहों पर ईडी की छापेमारी चल रही है, जिसमें टाटा शोरूम चौक स्थित तनिष्क शोरूम, तिवारी ऑटोमोबाइल, कुम्हारपाड़ा स्थित पप्पू शर्मा और कुम्हार पाड़ा स्थित ठेका बाबा मंदिर के नजदीक अनिल सिंह के घर पर ईडी की कार्रवाई चल रही है। ईडी की रेड के दौरान आसपास रहने वाले लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई है। इसे देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

बस और ट्रेलर के बीच भीषण भिड़ंत, 16 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मैक्सिको में एक दर्दनाक सडक़ हादसा सामने आया है। मध्य मैक्सिको में कुआकोनोपालन-ओक्साका राजमार्ग पर हुए सडक़ हादसे में लगभग 16 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व ट्विटर) पर घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मध्य मैक्सिको में हुए सडक़ हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है। पहले मरने वालों की संख्या 15 बताई गई थी। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल हुए लोगों में आठ पुरुष और आठ महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। अधिकारियों ने बताया कि ये हादसा उस समय हुआ, जब लोग बस से यात्रा कर रहे थे। तभी उसकी टक्कर एक ट्रेलर से हुई। हादसा इतना दर्दनाक था कि इसमें 16 लोगों को मौत हो गई। वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे बचाव दल ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके साथ ही बस को घटनास्थल से हटाया।

ग्रीस के जंगलों में आग ने मचाया तांडव: 18 लोग जिंदा जले, दो अग्निशामक भी हुए घायल

ग्रीस। यूनानी अग्निशमन कर्मियों को पूर्वोत्तर यूनान के एक इलाके में 18 लोगों के शव मिले हैं। यह इलाका बीते कई दिनों से जंगल में लगी भीषण आग से जूझ रहा है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता इओनिस आर्टोपियोस ने टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में कहा, यूनानी पुलिस ने शवों की पहचान करने के लिए देश के आपदा पीड़ित पहचान दल को सक्रिय कर दिया है, जो पूर्वोत्तर एलेक्जेंड्रोपोलिस क्षेत्र के अवंता इलाके में एक झोपड़ी के पास पाए गए थे।

चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग सफल; दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत बना पहला देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल (एलएम) बुधवार शाम चंद्रमा की सतह पर उतर गया। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल ने शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये पल अविस्मरणीय है। चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग सफल हो गई है। दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बन गया है। इसी के साथ भारत ने इतिहास रच दिया है।

लैंडर विक्रम ने चंद्रमा की सतह की तस्वीरें साझा कीं- चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने चंद्रमा की सतह की तस्वीरें साझा कीं। इसरो का कहना है कि चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा की सतह से 17.8 किमी की ऊंचाई पर है।

चांद पर पहुंचकर चंद्रयान-3 ने भेजा सबसे पहला मैसेज, मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया हूं- भारत के चंद्रमा लैंडर ने योजना के अनुसार, बुधवार शाम को सफलतापूर्वक चंद्रमा की धरती पर अपने चारों पैर आसानी से और सुरक्षित रूप से स्थापित कर दिए और यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया। चांद पर पहुंचकर चंद्रयान-3 ने मैसेज भेजा- मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया हूं। वहीं साउथ अफ्रीका से प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को बधाई देकर कहा- अब चंदामामा दूर के नहीं।

40 दिनों से अधिक समय तक लगभग 3.84 लाख किमी की यात्रा करने के बाद लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरा। लैंडिंग के साथ 600 करोड़ रुपये के चंद्रयान -3 मिशन का एक बड़ा हिस्सा पूरा हो गया है। शेष भाग चंद्रमा रोवर है जो लैंडर से नीचे लुढक़ रहा है, चारों ओर घूम रहा है और प्रोग्राम किए गए प्रयोग कर रहा है।

चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान में एक प्रणोदन मॉड्यूल (वजन 2,148 किलोग्राम), एक लैंडर (1,723.89 किलोग्राम) और एक रोवर (26 किलोग्राम) शामिल है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, चंद्रमा रोवर में लैंडिंग स्थल के आसपास मौलिक संरचना प्राप्त करने के लिए अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) और लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस) है।

अपनी ओर से, लैंडर भी अपने पेलोड के साथ उसे सौंपे गए कार्यों को पूरा करेगा: तापीय चालकता और तापमान को मापने के लिए चंद्रा का सतह थर्मोफिजिकल प्रयोग , लैंडिंग स्थल के आसपास भूकंपीयता को मापने के लिए चंद्र भूकंपीय गतिविधि उपकरण (आईएलएसए), प्लाज्मा घनत्व और इसकी विविधताओं का अनुमान लगाने के लिए लैंगमुइर जांच (एलपी)। नासा के एक निष्क्रिय लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर ऐरे को चंद्र लेजर रेंजिंग अध्ययन के लिए समायोजित किया गया है। इसरो ने कहा कि लैंडर और रोवर का मिशन जीवन 1 चंद्र दिवस या 14 पृथ्वी दिवस है।

प्रणोदन मॉड्यूल में चंद्र कक्षा से पृथ्वी के वर्णक्रमीय और ध्रुवीय मीट्रिक माप का अध्ययन करने के लिए रहने योग्य ग्रह पृथ्वी पेलोड का स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्री है। लैंडर से बाहर निकलने के बाद प्रोपल्शन मॉड्यूल द्वारा ले जाए गए पेलोड का जीवन तीन से छह महीने के बीच है।

19 मिनट का रहस्य और रोमांच, जैसा कि पहले तय किया गया था, शाम 5.45 बजे शुरू हुआ और 6.05 बजे समाप्त हुआ। लैंडर चंद्रमा की धरती को छूने के साथ।

गौरतलब है कि कुछ साल पहले चंद्रयान-2 मिशन का हिस्सा विक्रम लैंडर चंद्रमा पर लैंडिंग के आखिरी चरण में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

सॉफ्ट लैंडिंग एक पेचीदा मुद्दा है, क्योंकि इसमें रफ और फाइन ब्रेकिंग सहित जटिल युद्धाभ्यासों की एक श्रृंखला शामिल होती है।

सुरक्षित और खतरा-मुक्त क्षेत्र खोजने के लिए लैंडिंग से पहले लैंडिंग साइट क्षेत्र की इमेजिंग की जाएगी।

शाम लगभग 5.45 बजे लगभग 30 किमी की ऊंचाई से क्षैतिज स्थिति में लैंडर का संचालित वंश शुरू हुआ। स्वचालित लैंडिंग अनुक्रम सक्रिय हो गया।

रफ ब्रेकिंग चरण के दौरान लैंडर की गति 1,680 मीटर प्रति सेकंड से घटाकर 358 मीटर प्रति सेकंड कर दी जाएगी। चंद्रमा से ऊंचाई 7.4 किमी कम कर दी जाएगी।

अगला चरण ऊंचाई रोक चरण था जहां ऊंचाई को 6.8 किमी तक कम कर दिया गया था। बेंगलुरु स्थित इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) के मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स में बैठे अधिकारियों की नजरें अपने मॉनिटर पर टिकी थीं।

लैंडर की स्थिति ऊर्ध्वाधर में बदल गई और यान चंद्रमा के ऊपर 150 मीटर तक मँडराता रहा, तस्वीरें लेता रहा और सुरक्षित लैंडिंग स्थान तय करने के लिए लैंडिंग क्षेत्र का सर्वेक्षण करता रहा। फिर चार में से दो इंजन चालू होने पर सुरक्षित लैंडिंग हुई। चंद्रयान-3 प्रोपल्शन मॉड्यूल के लिए प्राथमिक संचार चैनल, बेंगलुरु में मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स होगा जो बदले में लैंडर और रोवर से बात करेगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रोल्स रॉयस कार और तेल टैंकर के बीच टक्कर में 2 की मौत, 4 घायल

गुरुग्राम (आरएनएस)। हरियाणा के नूंह में उमरी गांव के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रोल्स रॉयस कार और तेल टैंकर के बीच टक्कर में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

ट्रक में सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। रोल्स रॉयस पर सवार तीन अन्य लोगों को गंभीर चोटें आईं।

मृतकों की पहचान कुलदीप और रामप्रीत के रूप में की गई है दोनों उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और उनके साथ आए व्यक्ति की पहचान गौतम के रूप में की गई है। लग्जरी कार सवारों की पहचान विकास, तसबीर और दिव्या के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

बताया जा रहा है कि हादसे के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग लग गई, क्योंकि तेल टैंकर में कुछ ज्वलनशील पदार्थ था। घायल व्यक्तियों को बचा लिया गया है। दुर्घटना मामले के जांच अधिकारी अशोक कुमार ने कहा, पुलिस ने घायलों और मृतकों के परिवार के सदस्यों को सूचित कर दिया है। आगे की जांच जारी है। पुलिस जल्द ही बयान दर्ज करेगी।

अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर घोटाले में ईडी ने की गिरफ्तारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी चॉपर घोटाले के सिलसिले में मुख्य आरोपियों में से एक नितिन भटनागर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भटनागर कथित तौर पर एक निजी बैंकर और एलिंगटन प्रॉपर्टीज के संस्थापक हैं। उन पर सह-अभियुक्तों के लिए हवाला लेनदेन करने का आरोप है।

हालांकि ईडी ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन सूत्रों ने कहा कि जब उन्होंने उसे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया तो वह विदेश भागने की कोशिश कर रहा था।

ईडी को उसकी 10 दिन की कस्टडी रिमांड मिल गई है और अब रिकॉर्ड, सबूत आदि से उसका आमना-सामना कराया जाएगा।

बताया जाता है कि भटनागर का संबंध रतुल पुरी और राजीव सक्सेना से है।

मंगलवार को ईडी ने उसे विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया।दलीलों के दौरान ईडी की ओर से कहा गया कि मामले की उचित जांच के उद्देश्य से उसकी हिरासत में पूछताछ आवश्यक है।

ईडी ने कहा कि आरोपियों का सामना भारी दस्तावेजों और रिकॉर्ड से कराया गया।

आरोपी की ओर से पेश वकील ने ईडी का विरोध करते हुए कहा कि उनके मुवक्किल से कुछ भी पूछताछ करने की जरूरत नहीं है क्योंकि उनके मुवक्किल से ईडी पहले ही कई मौकों पर विस्तार से पूछताछ कर चुकी है।

ऐसा प्रतीत होता है कि 2012 में प्रिस्टिन रिवर इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के नाम से एक बैंक खाता बैंक ऑफ सिंगापुर में खोला गया था और नितिन भटनागर ने रिलेशनशिप मैनेजर होने के नाते इसकी सुविधा प्रदान की थी। उक्त कंपनी का स्वामित्व सवाना ट्रस्ट के पास था, जिसमें रतुल पुरी (सह-अभियुक्तों में से एक) सेटलर थे, जबकि जॉन डॉचेर्टी और मिलन मोर्जारिया संरक्षक थे।

इसमें आगे लिखा है कि कथित रूप से यह रकम सह-अभियुक्त राजीव सक्सेना के अपराध की आय है।

इसके बाद विशेष पीएमएलए अदालत ने ईडी को भटनागर की 10 दिन की हिरासत दी थी।

ईडी अब उनसे मामले से जुड़े डिजिटल उपकरणों, दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्डों के बारे में पूछताछ करेगी।

मिजोरम में निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज गिरने से 17 लोगों की मौत

आईजोल (आरएनएस)। मिजोरम के आईजोल में बुधवार को एक बड़ी घटना हो गई। यहां एक निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा साइरांग इलाके के पास हुआ। वहीं, इस घटना पर रेलवे ने अपना बयान दिया है जिसमें बताया है कि इतने बड़े हादसे के पीछे क्या कारण है।

रेलवे ने बताया कि इतना बड़ा हादसा पुल निर्माण के दौरान एक गर्डर मशीन के गिरने से हुआ। यह मशीन एक विशेष प्रयोजन वाली मोबाइल गैन्ट्री क्रेन है जिसका उपयोग पुल निर्माण में किया जाता है। साथ ही इस मशीन का उपयोग पुल खंडों और गर्डरों को उठाने और सपोर्ट करने के लिए किया जाता है।

रेलवे ने किया बड़ा दावा- रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि जो गैन्ट्री गिरी है, उसे एसटीयूपी कंसल्टेंट ने डिजाइन किया था और इसकी आईआईटी गुवाहाटी ने इसकी जांच की थी। प्रवक्ता ने कहा कि मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है। इस मामले पर रेलवे के प्रवक्ता ने दावा किया कि पुल का जो हिस्सा पहले ही बनाया जा चुका है वह अभी भी बरकरार है। पुल नहीं गिरा है, यह एक गैन्ट्री थी जो निर्माणाधीन पुल पर लॉन्चिंग के दौरान गिर गई।

यह पुल भैरवी-सैरांग नई रेलवे लाइन परियोजना का हिस्सा है इसके तहत 130 पुलों का निर्माण किया जाना है। बैराबी सैरांग लाइन भारतीय रेलवे के पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे क्षेत्र के अंतर्गत बैराबी से सैरांग तक 51 किमी लंबी है। रेल लाइन में 130 पुल, 23 सुरंगें और चार स्टेशन- हॉर्टोकी, कावनपुई, मुआलखांग और सैरांग शामिल हैं।

पीएम मोदी ने दुर्घटना पर दुख जताया- इस घटना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्वीट किया। उन्होंने दुर्घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपये मुआवजे का एलान किया। वहीं, घायलों के लिए 50 हजार रुपये की मदद की घोषणा की गई।

सीएम जोरामथांगा ने जताया दुख- मिजोरम के सीएम जोरामथांगा ने भी ट्वीट किया। उन्होंने इस घटना पर दुख जताया और जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने हादसे के बाद घायलों की मदद के लिए आगे आने वाले लोगों का शुक्रिया जताया।

तमिलनाडु लाएगा वृक्ष अधिनियम, पेड़ों की अवैध कटाई पर होगी गिरफ्तारी

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु सरकार दिल्ली वृक्ष अधिनियम 1994 की तर्ज पर वृक्ष अधिनियम लाने पर विचार कर रही है।

यह अधिनियम पूर्व अनुमति के बिना पेड़ों की कटाई को दंडनीय अपराध बना देगा जिसके लिए एक वर्ष की जेल या 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

तमिलनाडु सरकार ने हाल ही में मद्रास उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद जिला और राज्य स्तर पर हरित समितियों का गठन किया है, जो राज्य में पेड़ों की कटाई को विनियमित करने और निगरानी करने के लिए एक प्रणाली चाहती थी।

यह कदम जिला और राज्य स्तर पर गठित हरित पैनलों को कानूनी मान्यता प्रदान करेगा।

प्रस्तावित अधिनियम के तहत निजी संपत्तियों सहित किसी भी भूमि से बिना पूर्व अनुमति के किसी भी पेड़ की कटाई, निष्कासन या निपटान को अपराध माना जाएगा।

दिल्ली वृक्ष अधिनियम के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जो बिना पूर्व अनुमति के पेड़ काटता है, उसे जेल की सजा हो सकती है जिसे एक साल तक बढ़ाया जा सकता है या 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अपराध को वन उपज के मूल्य या 10,000 रुपये तक मुआवजे या दोनों का भुगतान करके भी कम किया जा सकता है। तमिलनाडु की पर्यावरण सचिव सुप्रिया साहू ने मीडियाकर्मियों को बताया कि राज्य 2030 तक 260 करोड़ पौधे लगाएगा।

शिक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव : साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं, 11वीं-12वीं में पढ़नी होंगी कम से कम 2 भाषाएं

नई दिल्ली (आरएनएस)। बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी। छात्रों को इन परीक्षाओं में से अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने की अनुमति होगी। बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक अब बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों में विषयों की समझ का मूल्यांकन करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई पद्धति से कोचिंग और याद रखने की आवश्यकता में कमी आएगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई के दौरान विषयों का चयन सीमित नहीं रहेगा। छात्रों को 11वीं और 12वीं कक्षा में अपनी पसंद के विषय चुनने की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक कक्षा 11 और 12 के छात्रों को कम से कम दो भाषाएं पढऩी होंगी। मंत्रालय का कहना है कि 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ाई जाने वाली इन भाषाओं में से एक भारतीय भाषा होनी चाहिए।

दरअसल, बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क पर एक संयुक्त व महत्वपूर्ण बैठक बुलाई।

गौरतलब है कि कस्तूरीरंगन के मार्गदर्शन में स्टीरिंग समिति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत करिकुलम फ्रेमवर्क पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। कस्तूरीरंगन समिति ने अपनी रिपोर्ट व करिकुलम फ्रेमवर्क सरकार को सौंप दिया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्रालय ने आगे की कार्रवाई के लिए ही इसे एनसीईआरटी को दिया है।

गौरतलब है कि एनसीईआरटी स्कूली शिक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करती हैं। एनसीईआरटी ने करिकुलम पर दो समितियां बनाई हैं। इनमे राष्ट्रीय निरीक्षण समिति और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक समिति बनाई हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि ये दोनों समितियां 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुसार और मूल भारतीय सोच पर आधारित पाठ्यक्रम तैयार करेंगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कक्षा 3 से 12 तक के लिए भविष्य की शिक्षण और शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए कहा गया है। इसको लेकर पहली ओरिएंटेशन बैठक बुधवार को हुई।

शिक्षा मंत्री का कहना है कि हमें विश्वास है कि नई पाठ्यपुस्तकें सभी आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। खासतौर पर जब दुनिया भारत से बहुत उम्मीद कर रही है, जब पीएम ने अमृत काल का सपना दिखाया है, ऐसे समय में नई पाठ्यपुस्तकें आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। हाल ही में स्कूली पाठ्य पुस्तकें तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई है। इस 'राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण शिक्षण सामग्री समिति' में कई शिक्षाविद्, अर्थशास्त्री व विशेषज्ञ शामिल हैं।

इनमें इंफोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष सुधा मूर्ति, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल, प्रसिद्ध संगीतकार व गायक शंकर महादेवन समेत सदस्य हैं। महेश चंद्र पंत इस 19 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं। वह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड प्लानिंग इन एडमिनिस्ट्रेशन के चांसलर हैं।

समिति के सह-अध्यक्षता प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मंजुल भार्गव को सौंपी गई है। समिति में चामू कृष्ण शास्त्री भी शामिल हैं। वह भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र की उच्चाधिकार प्राप्त, भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष भी हैं। 'राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण शिक्षण सामग्री समिति' एक स्वायत्त समिति होगी और इसका कार्य कक्षा 3 से 12वीं तक के छात्रों का सिलेबस तैयार करना है।